



# VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS  
M N 24 AUG 2024 Jo. 3  
RECEIVED

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2366)

Name of Candidate	AJAY KUMAR	45939667
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number 4593967
Center	M.N.	Date 24/08/2024

### INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

### INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).  
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH** इसमें बारह प्रश्न हैं हिन्दी और अंग्रेजी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.  
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.  
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.  
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.  
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2<sup>nd</sup> Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar  
Delhi- 110009

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

## खंड B / SECTION A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) डिजिटल प्रभाव के प्रभुत्व वाले युग में कोई परिवार मूल नैतिक सिद्धांतों को प्रभावी ढंग से कैसे प्रसारित कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can the family effectively transmit core moral principles in an era dominated by digital influences? (Answer in 150 words) 10

मूल नैतिक सिद्धांतों से तात्पर्य  
जीवन में सकारात्मक इतरी की और  
निर्दिष्ट करने वाले मूल्यों का पालन  
करना है।

उदा- सत्यनिष्ठा, अनुशासन

डिजिटल प्रभाव में नैतिकता प्रसार में परिवार की भूमिका

i) डिजिटल दुनिया से बचक- वंशगत उपवास  
की शक्यता का जहाँग कर परिवार  
का साथ में समन व्यतीत करना।

ii) पुरातन तर्पहार संस्कृति की शरि ले जाना  
पुराने सांस्कृतिक तर्पहार शक्ति के शक्यता  
से सदृश, सभ्यता, जैसे मूल्य विकास करना।

iii) स्वयं का उदाहरण देकर - परिवार स्वयं  
शक्यता शक्यता का पालन कर बच्चों की

घरों दे सकते हैं।

उदा० - शुबह जल्दी उठना, अंगुशासन

iv) डिजिटल क्यादियाँ का त्वरित - कुकुफिम  
जैसे माध्यमों से मूल्यों का संचार करना।

v) शैल मॉडल का उदाहरण - शामुनिक सफल  
वर्लॉन ग्रसक जैसे लोगों के उदाहरण के  
अवकाशिकता, मैद्वर जैसे मूल्य विकास करना।

नैतिक सिद्धांत डिजिटल  
युग में लक्ष्य

↳ साबर डपराधी के

↳ वैश्वीकरण के दौर में अन्नी  
सरकार की समस्या

↳ परिवार के तौर पर पारिवारिक मूल्यों  
का विकास व समाज में रहे हुए  
संस्कार का प्रसार।

अतः जैसा कि कहा गया है -  
"पालना सुलभ वाले हाथों में ही संसार  
की वागडोर होती है"। अतः जो  
डिजिटल युग में भी संस्कार निर्गमक  
परिवार की अहम जिम्मेदारी है।

1. (b) हालांकि अंतःकरण सामान्य तौर पर नैतिक निर्णय-निर्माण में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है, लेकिन कभी-कभी इसकी सीमाएं भी होती हैं। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)  
Though conscience generally serves as a crucial guide in ethical decision-making, it is sometimes fraught with limitations. Discuss. (Answer in 150 words) 10

अंतःकरण सामान्य तौर पर अपनी  
आंतरिक भावना के अनुसार कार्य का  
निपटारा करना है। यह अविश्वसनीय होती है।  
उदा- गरीब की मदद का फैसला करना

अंतःकरण महत्वपूर्ण निर्देशक के रूप में

i) कार्य में उदाहरण न होने पर अंतःकरण  
में उदाहरण न होने पर सिविल सर्विस  
द्वारा नैतिक विचार करना।

ii) द्वि-स्तर है - निजी बनाम सार्वजनिक  
द्वि-स्तर की स्थिति में अंतःकरण  
महत्वपूर्ण  
उदा- ऑफिस कार्य व घर की सजावट में  
में संतुलन बनाना

iii) नैतिक फैसला लेने है - अक्सर कार्य  
आवश्यक करना होता है जो

अंतः करण ही सहायका  
उद्योग- शापदा के समान

iv) काबूज से टकराव की स्थिति :- किसी शर्ष  
की धारण की पारी के समान अंतः करण  
ही मददगार।

परंतु इसकी सीमाएं

- i) काबूज का इतना :- अक्सर अंतः करण  
प्रयोग में सामान्य काबूज प्रयोग नहीं हो पाती
- ii) भावार्थ में कैसा :- भावनाओं में बढ़कर  
निष्पत्ति निष्पत्ति अविषय के लिए होनिवास्तु।
- iii) हित टकराव बढ़ना :- कभी बार गलत  
हित का पतन की अंतः करण की-अज्ञानी  
के कारण।

अज्ञान से अंतः करण

- काबूज, सविद्यान की  
जानकारी व पालन
- 1. अर्थोपस्थापना सिद्धांत की पालन
  - 2. सीमित की स्लाइड लेना।

अंतः करण अंतः करण समुच्च मार्गदर्शक  
में कसटी हमारे कैसावों पर हमारा अंतर  
नियंत्रण ही।

2. (a) सार्वजनिक धन के उपयोग को किन नैतिक सिद्धांतों के आधार पर नियंत्रित किया जाना चाहिए? बड़े निगमों को उबारने (bail out) के लिए करदाताओं के पैसे का उपयोग करने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What ethical principles should govern the utilization of public funds? Discuss the moral implications of using taxpayer money to bail out large corporations. (Answer in 150 words) 10

सार्वजनिक धन के उपयोग से  
अभिज्ञान: सरकारी पैसे पानी बखरीन  
संसाधनों का सदुपयोग व दक्षता से  
प्रबंधन करना है।

उदा- विभिन्न योजना क्रियान्वयन में  
व्ययित आवंटन

सार्वजनिक धन उपयोग के नैतिक सिद्धांत

- i) कानून सम्मत प्रयोग :- धन का प्रयोग  
कानून व नियमों अनुसार ही।
- ii) लीकेज रोकना :- किसी की तरह की  
भ्रष्ट प्रणाली पर रोक लगाना।
- iii) समान वितरण :- सभी वर्गों को समान व  
अनुसूचित वर्गों को प्राथमिकता वितरण।
- iv) ऑडिट :- समान - समय पर धन  
के प्रयोग की जांच व रचित रिपोर्ट

निवारण प्रणाली की उपस्थिति है।

वर्षे निगम उद्योगों में सांविधिक व्यय प्रणाली  
के नैतिक निहितार्थ

- i) भाविव्य का लाभ देना :- इस प्रकार के व्यय प्रणाली भाविव्य में कलकत्ती होती है।  
उदा - बैंकों का पुनर्पूँजीकरण - विदेशी सहायता
- ii) सांविधिक सहायता की जावना :- इसे राज्य के कार्यों का व्यय तथा राज्य सहायता में ही प्रणाली।
- iii) टैक्सपेयर का मनीबत विज्ञान :- सामाजिक कार्यों व सुविधा देने वाले कार्यों में प्रणाली न करना टैक्स चोरी बढा सकता है।
- iv) व्यय का स उचित तरीके से प्रणाली :- सांविधिक व्यय प्रणाली में उतरदायित्व। जवाबदेही व पारदर्शिता हीन पसंदी।

कारण भारत एक विकासशील राष्ट्र है 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए सांविधिक व्यय से कठोरानार मुक्ति व टैक्सपेयर का व्यय के कर के राष्ट्रभावि दियानी चाहिए।

2. (b) ईमानदारी का अर्थ केवल भ्रष्ट या बेईमान आचरण से बचना नहीं है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Probity means more than just the avoidance of corrupt or dishonest conduct.  
Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

ईमानदारी (प्रॉबिटी) का

वस्तुनिष्ठ, पारदर्शी व जवाबदेही पूर्व  
कृत्य करने के रूप में परिभाषित  
किया जाता है।

उदा- सिविल सर्विस की ईमानदारी - पनरा  
के प्रति।

केवल भ्रष्ट, बेईमान कृत्य से बचना ही नहीं

- i) अच्छी सेवा वितरण व ईमानदारी की मतलब  
होगी, जब प्रभावी सेवा वितरण ही है।

उदा- 1 AS of पोखरी - हरियाणा में  
राजकिसान एप।

- ii) संसाधनों का दस प्रबंधन - कम संसाधनों  
में अच्छे परिणाम लाना ही  
ईमानदारी है।

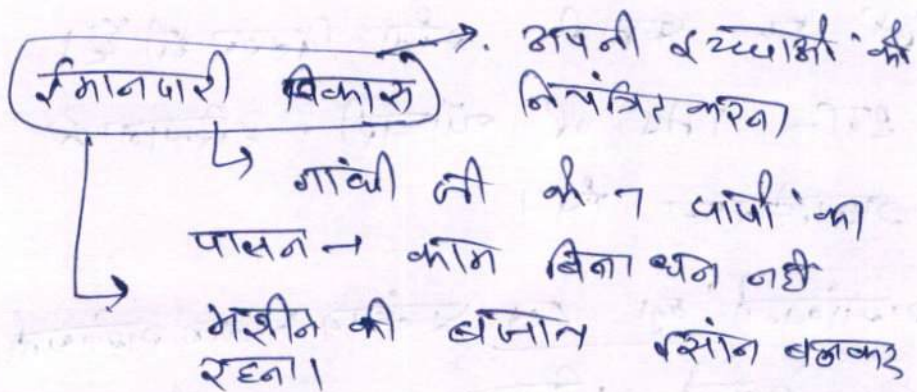
उदा- 1 AS आभिसूत्रण के दस संयुक्त  
निर्माण।

iii) काबूत व संविधान पालन :- काबूत व संविधान के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करना भी विमानदारी।

इसके तलंगाना, 182 रेमा रामेश्वरी द्वारा की गई नियंत्रण।

iv) अच्छी कार्य संरूपति पालन :- कनिष्ठा के अच्छा व्यवहार, अनुशासन, समतल पर कार्य करना भी विमानदारी की है।

v) अन्य विषयों पर कार्य :- जलविरोध संरक्षण के उपाय करना, वंचितों को उनके अस्विकार दिखाना, अपनी पहिचान के प्रति जिम्मेदारियों को निभाना भी विमानदारी के लक्षण हैं।



जैसा कि कहा गया है ज्यादातर लोग बदनामी से जूझते हैं, बहुत कम हैं जो विवेक से जूझते हैं। अतः विवेक पालन भी विमानदारी का ही लक्षण है।

3. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित उद्धरण आपको क्या संदेश देते हैं।

What does the following quotation convey to you in the present context.

(a) "किसी व्यक्ति को नैतिकता के बजाय मानसिक रूप से शिक्षित करना समाज के लिए खतरा पैदा करना है।"  
- थियोडोर रूजवेल्ट (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To educate a man in mind and not in morals is to educate a menace to society." -  
Theodore Roosevelt (Answer in 150 words) 10

नैतिकता की बजाय मानसिक रूप से शिक्षित करने से व्यक्ति का संपन्नता रहित बानी जाती है जो एक घातक स्थिति होती है।

उदा- जॉर्जियर अरिआन बिन लार्देन

नैतिकता बिना मानसिक ज्ञान

i) गलत समझ संकेत :- बिना नैतिकता के ज्ञान का गलत समझ किया जा सकता है।

उदा- जापान का हत्याकाण्ड।

ii) स्वार्थ सिद्धि :- अक्सर बिना नैतिकता के ज्ञान का बुरा मानवता के कल्याण के लिए प्रयत्न नहीं उठाया।

iii) समाज के लिए खतरा <sup>पैदा</sup> ~~जोखिम~~ <sup>कृत</sup> ~~कर~~ <sup>कर</sup> के शोर मचाया जा करने वाली ही स्थिति है।

समाज पर दबाव का काम करता है।

नैतिकता व ज्ञान का मिश्रण

i) हाथ्य निर्वि लीना :- ऐसा व्यक्ति समाज व जनकल्याण में सहायक।

उदा- डॉ. अब्दुल कलाम

ii) संशोधन दत्त त्रयी :- संशोधनी का उत्पन्न त्रयी सुनिश्चित कर सकता है।

उदा- बिहार DM राहुल कुमार 02 पंचर कार्य करीव 5 में।

iii) कापसी संकथे गजबूती :- ऐसा व्यक्ति सहिष्णुता का विस्तार कर सामाजिक सुजीवन लाए।

उदा- राजीव दीक्षित के कार्य

iv) अनुशासन :- ऐसा व्यक्ति अनुशासन पूर्वक जीवन जीते हुए समाज में परिवर्तन का कार्य करता है।

शतः कहा जा सकता है - सत्यनिष्ठा

बिना ज्ञान के कार्य नहीं ज्ञान बिना

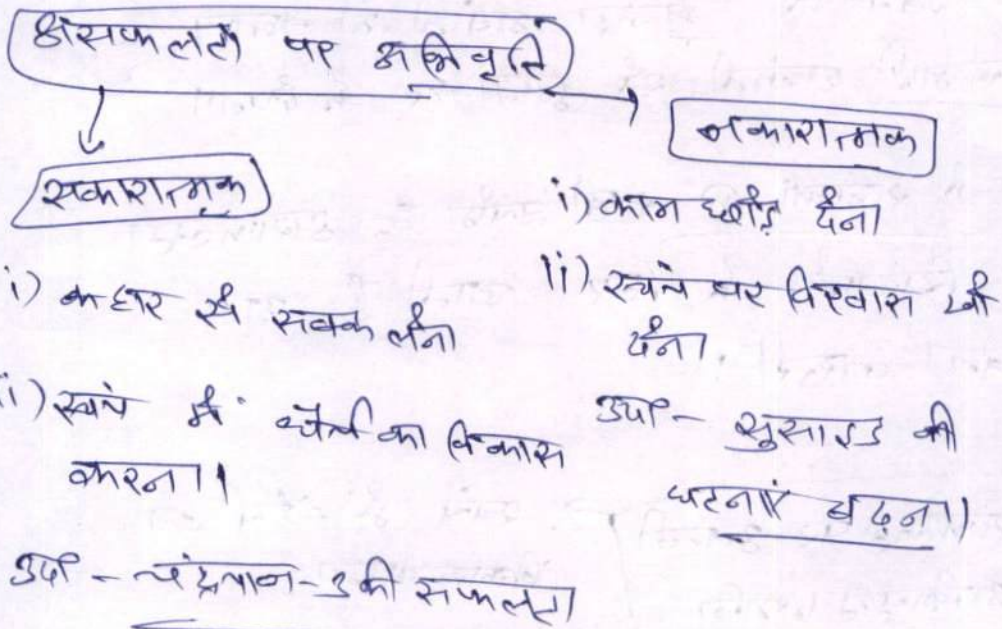
सत्यनिष्ठा के घाटक है, शतः नैतिक

परिणत विचार समाज के लिए जरूरी है।

3. (b) "असफलता बस फिर से शुरू करने का अवसर है, इस बार और अधिक समझदारी से।" - हेनरी फोर्ड (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Failure is simply the opportunity to begin again, this time more intelligently." - Henry Ford (Answer in 150 words) 10

किसी भी क्षेत्र में असफलता  
व्यक्ति को आंतरिक तौर पर अकारात्मक  
रूप से प्रभावित करती है।



असफलता फिर से शुरू करने का अवसर

i) सफलता की पात्राई सीढ़ी:-  
असफलता  
असफलता की पात्राई में एक प्रभाव डालती है।

- ii) निरंतर विकास करना :- पागल होकर  
एजिप्शन जैसे उदाहरण - आत्महत्या की  
आवश्यकता।
- iii) गुलना से बचना :- असफलता के समय  
दूसरी से नकारात्मक गुलना करने से  
बचना चाहिए।  
उदा- स्वयं को मुर्कड़ा डवाना की बजाय  
बोसवादी डवाना से गुलना कर के फेंकना।
- iv) हार के सबकों का सही जवाब :- असफलता  
हमें सिखाने के लिए आती है, हार  
सीखना जरूरी।

असफलता पर अच्छी  
आक्रियता दिखाना

→ स्वयं ही व्यक्त का  
विकास करना

↳ जीत के प्रति गहरी इच्छा  
इसके माहिरेशन

↳ निरंतर उच्च आदर्शों से जुटना जना

आरंभ अगर आपके जीवन से सूरज  
चला गया है तो ही कर आप  
जारी की रीति की ही व्युत्पत्ति कर  
देंगे। (रविन्द्रनाथ टैगोर)

3. (c) "युद्ध के समय कानून मौन रहते हैं।" - सिसरो (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Laws are silent in times of war." - Cicero (Answer in 150 words)

10

शब्दों से ऐसा कहा जाता है कि युद्ध में जीत के लिए हर कदम जाना जाता है - संघर्ष की लड़ाई, पालन न करना भी बुरी कमी में शामिल है।  
इस- संघर्ष द्वारा जाना में नरसंहार

युद्ध के समय कानून मौन क्यों

i) युद्ध एक हालात है जिसमें युद्ध के हालात में संघर्ष का विकास करता है जो युद्ध में किसी भी संघर्ष में बाधनी से रोकता है।  
इस- द्वितीय विश्व युद्ध - संघर्ष द्वारा

ii) संघर्ष की लड़ाई:- UNO जैसे संघर्ष में संघर्ष का प्रभाव न होना ही एक कारण।

iii) संघर्ष में युद्ध के संघर्ष में कानून की बात करने पर संघर्ष में युद्ध में संघर्ष का हर भी मौन

बढ़ाना है।

- iv) जीवन की रचना :- वस्तुनी स्वभाव ऐसा है कि दूसरी को पराजित करने के लिए किसी भी दम तक जा सकता है - आतूत और भवराज्य  
↳ उदा- सर्वविश्वल शॉफ किट्स की व्याख्या पर पसना

मौन के प्रकार

- i) आपक जनसंघार :- यह पुरुष के अभाव प्रभाव - बच्ची, महिलाओं के उत्पीड़न के रूप में सामने आता है।
- ii) पुरुष शक्तिव्यक्ति में वृद्धि :- आतूतों के मौन रहने से नविय में भी ऐसी उन्मीद बलवती होती है।  
उदा- विश्व निखपुरुष में दिलर पर UK के मौन ने आरवारी बढ़ाने की इरगा दी।

कारण पुरुष जैसी वीजता धरन के लिए वैश्विक समुद्रता जरूरी, क्योंकि ऐसी आतूतों मौन हरी मानवजाति के लिए भविष्य में घातक है सबसे है।

4. (a) अच्छा कॉर्पोरेट शासन बौद्धिक ईमानदारी से संबंधित होता है, न कि केवल नियमों और विनियमों से जुड़े रहने से। उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Good corporate governance is about intellectual honesty and not just sticking to rules and regulations. Illustrate with examples. (Answer in 150 words) 10

कॉर्पोरेट शासन के अनुसार  
कॉर्पोरेट शासन किसी भी निजी  
संगठन द्वारा नैतिक सिद्धांतों के शाब्दिक  
पर अपनी गतिविधियों का संचालन  
करना है।  
उदा- टाटा कंपनी के सामाजिक कार्य

कॉर्पोरेट शासन केवल निम्नीं हैं

- i) कानून का पालन :- ऐसा शासन सिर्फ कानून  
पालन तक सीमित रहता है।
- ii) संसाधन उपयोग के लिए न करना :- इस संसाधन  
निष्ठा के अनुसार CSR में दान देकर किसी  
भी तरह के परिणाम की जांच या उम्मीद  
नहीं रहता।
- iii) लाभ न मिलना :- इस संस्थानीय दायित्व  
उपयोग के बावजूद किसी लाभ की  
प्राप्ति नहीं होती है -  $\rightarrow$  परिणामतः  
क्षेत्रानुसार का स्थल।

बौद्धिक व गिनकारी से जोड़कर शासन

i) नवान्चार :- इस शासन निरंतर नवान्चार पर आधारित है।  
इस महिमा एवं महिमा को CR द्वारा सामाजिक कलाबी।

ii) अच्छी कार्य संस्कृति का विकास इस संस्थाओं में कार्य संस्कृति में आपसी विश्वास व निरंतर लड़ाई की भावना है।

iii) शक्ति विकेंद्रीकरण :- शक्ति का विभाजन विचार व लक्षिक समानता जैसे बिंदुओं पर काम किया जाता है।

iv) निरंतर ड्राइव :- अपने कार्यों की जाने व शिवाय निवारण को दियाएकी के साथ ही निश्चय करना।

इस जोड़कर शासन को केवल निष्पक्ष रूपी प्रणाली को पालन करने की वजाय बौद्धिक व गिनकारी से अन्य लोगों की हाथ में प्रयास करने चाहिए।

4. (b) सामान्य तौर पर, किसी संगठन में जितना ऊंचा पद होता है, भावनात्मक बुद्धिमत्ता उतनी ही अधिक महत्व रखती है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In general, the higher a position in an organization, the more emotional intelligence matters. Do you agree with this view? Give reasons in support of your answer. (Answer in 150 words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से अन्निधान।  
स्वतंत्र की व दूसरों की भावनाओं और  
आकांक्षाओं को समझने द्वारा अपनी  
कार्यवाहियों को सफल देना है।  
उदा- सिविल सर्विस द्वारा अन्निधान से  
अच्छा व्यवहार करना।

पद के साथ भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व

- i) लोगों का विश्वास प्राप्त करने से अन्निधान से  
सहयोगी भावनाओं का विकास करना।
- ii) अच्छा मूल्य प्रदान करना से अन्य पर एक  
जाला की व फॉर्म विहाय से कार्य पर  
कार्य करता है।  
उदा- हर विक्रय कार्य से सब से अधिक
- iii) निष्ठा से विश्वास लाना से अन्य पद पर

एन सी सत्री की सुनी जाती हुई व समग्र निगम लिए जाते हैं।

iv) शक्यता कार्य संकुल विकास :- सत्री दिव्यास्की का लाभ सुनिश्चित शायसी सम्मान बढ़ाए।

v) पैरना का कार्यकरण :- उल्लेख <sup>परला</sup> पदवाला व्यक्ति कनिष्ठी की की शक्यता करने की पैरना देता है।

द्विपद पर एन न हीने के उभाव

i) असंतोष बढ़ना :- रूसी स्मिटे में निचले स्तर पर विज्ञान कमी व शिरोच्य हीनता है।

ii) पौजना विनाशक न ही पाना भारत में पौजनाही के जुरे हीने में ही का मुख्य कारण पदों पर लॉगी में शायसी सामंजस्य न हीना।

कारण शक्य पद पर एन हीने शायसक है ताकि नीचे पदों पर बंधे लॉगी की सभी दिशा में इन्फ्र कमी से निर्दिष्ट ही शक्य।

उदा - कनिष्ठा में शक्य की शक्य परवारी व्यवहार से संवारात्मक तन्त्रिणी विकास

5. (a) तटस्थता और गैर-पक्षपात के अलावा, सहिष्णुता एवं समावेशिता अन्य महत्वपूर्ण मूल्य हैं जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोक सेवकों को अधिक सक्षम बनने में मदद करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In addition to neutrality and non-partisanship, tolerance and inclusion are other important values that facilitate the civil servants to be more competent in a diverse country like India. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words)

10

एक लोक सेवक की नैतिक मान्यता या चालन का एक भाग है, क्योंकि लोक सेवा सामाजिक सुधार की सर्वे होती है।

उदा- TN शैलबर्क: चुनाव आयोग के रूप में अपनी

तटस्थता/गैर-पक्षपात: किसी भी लोक सेवक को किसी भी विषय में अपनी निजी पहचान से भाजपा सहित चाहिए।

उदा- कां. कावरेन में स्व. अपनी पत्रिका पत्र न लीना।

→ सुवर्णिनी से मुक्त रहकर समावेशी विकास में श्रमिका शिवाव।

सहिष्णुता

→ गैर-पक्षपात विविधतापूर्ण राष्ट्र व

केंद्र प्रणाली के कार्य किसी भी  
मौजूदा कार्य करना पड़े सकता है इसलिए  
सद्विचार जरूरी।

→ सद्विचार से अधिकृत अपने से  
हालत धर्म, जाति, लिंग, विचारधारा  
आदि वाले व्यक्ति से सकारात्मक  
व्यवहार करना।

सद्विचार के लाभ → सामाजिक सौहार्द → सामाजिक  
रूपी विकास

उदा- 258 वमित्याज दुसरे के कर्मों में कार्य

समावेशिता → समावेशिता से अधिकृत ससंघर्ष  
का उचित तरीके से हावतम तमि नसमानता  
कम है और विकास निवारण लं सुचारु  
रूप से कार्यरत है।

लाभ → समानता बढ़ेगी - 14.96 अनुमानित तरीके  
↳ सामाजिक समुचित व ससंघर्ष का  
दक्ष प्रबंधन।

कारण एक लक्ष्य स्विकर्ण से इन  
जुगों का हीना भारत की 2047 तक  
विकसित राष्ट्र के पथ पर अग्रसर  
कर समर्थ है।

5. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? भारत में प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the key principles of public service delivery? Discuss the challenges associated with providing effective public service delivery in India. (Answer in 150 words) 10

सार्वजनिक सेवा वितरण से  
अधिकतम सार्वजनिक संस्थानों का  
अंतिम व्यक्ति तक समाज के सभी  
संस्थानों की पूर्ण सुनिश्चित करना है।  
एवा- PDS सर्विस

सार्वजनिक वितरण के सिद्धांत

- i) सतत आपूर्ति :- संचारणीय व सतत आपूर्ति सुनिश्चित है।
- ii) समानता सिद्धांत :- समानता को बढ़ाने वाली कार्रवाईयों को बढ़ाना चाहिए।
- iii) उत्पादन सेवकी गुणवत्ता :- युद्धाचर जो सभी सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित।
- iv) खिलाफत निवारण :- संगठन सेवा प्राप्त में विकल्प है खिलाफत

तंत्र व निवारण करने की है।

सामाजिक सेवा वितरण की चुनौतियाँ

i) पारदर्शिता न होना :- पारदर्शिता के अभाव के कारण सेवा वितरण में लक्ष्य व अंतरापार होता है।

ii) अंतर्यायित्व कमी :- अंतर्यायित्व व अंतर्यायित्व की कमी के कारण 'संसाधनों' का वस्तुतः उपयोग नहीं होता।

उदा - PDS कानून में अंतर्यायित्व पर बची प्रत्येक

iii) असमानता :- सेवाओं में गरीब वर्ग व शहरी - ग्रामीण का विभाजन होना।

iv) सिकापती तंत्र न होना :- सेवा गुणवत्ता पर पारदर्शिता बचाव।

v) द्वितीयक निवारण - अनधिकृत व्यापार से सेवा प्राप्त करने वाले के कारण गरीब ग्रामीण लाभ देखें।

अतः सेवा वितरण में समावेशिता के सिद्धांत का पालन करना चाहिए ताकि भारत में समानता व जीवनस्तर का सर्वोच्च बचाव हो सके।

6. (a) जब संधारणीय विकास के प्रति अभिवृत्तिक परिवर्तन की बात आती है, तो व्यवहारिक प्रेरणा ही आगे की राह है। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

When it comes to attitudinal change towards sustainable development, behavioural nudges are the way forward. Illustrate with examples. (Answer in 150 words)

10

संधारणीय विकास की अक्रियता  
संशोधनों का इस तरह प्रयोग करना  
कि विकास के साथ-साथ संशोधन  
संशोधन आविष्कार की पीढ़ियों के लिए भी  
सुनिश्चित हो सके।

उदा- The LIFE मिशन

व्यवहारिक प्रेरणा की अक्रियता परिवर्तन

- i) जोड़ परिवर्तन नहीं कारण :- ऐसे मामलों  
में हम जोड़ काव्यों द्वारा लोगों की  
अक्रियता नहीं बदल सकते।

उदा- परिवर्तन काव्यों के बाद भी जारी  
परिवर्तन उत्साह

- ii) लोगों की जानकारी तक़ाब व्यवहारिक  
प्रेरणा जोड़ कारण होती है जब व्यंशों के  
परिवर्तन व इसके सर्वों के आगे में

प्रज्ञाती जानकारी है।

व्यवहारिक प्रभाव का लाभ

- i) हैरना मिलना :- देश के प्रधानमंत्री के व्यवहार व व्यक्तियों से लोगों को हैरना मिलती है।
- ii) सैल्फ भाइविशन :- पंचविश के 1 वरी सैल्फ भाइविशन ही वसांग की सकारात्मक शक्तिवृत्ति बनाने में सहायक होती है।
- iii) देष कर सीखना :- नल जेरी सिद्धांत के द्वारा व डेवुनपन, सामाजिक प्रभाव शक्ति वरी शक्तिवृत्ति परिवर्तन में व्यवहारिक प्रभाव लाभ है।
- iv) पंचविश शिक्षा :- जब वसांग पंचविश पर पुष्पभाव तथा गलबिल वाक्त्रि, शारीरिक विद्यलन शक्ति देकर ही परिवर्तन होता है।  
इस पंचविश के मागसे ही व्यवहारिक शक्तिवृत्ति परिवर्तन ही 500 गील 13 (नसवानु परिवर्तन की वक्तिन) तक में मदद कर सकता है।

6. (b) मदर टेरेसा के जीवन से क्या सबक सीखा जा सकता है? समकालीन विश्व में उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

What lessons can be learnt from the life of Mother Teresa? Discuss their relevance in the contemporary world. (Answer in 150 words) 10

मदर टेरेसा एक ख्रिस्ती नन  
थी जिन्होंने अपनी परिपक्व स्त्री  
जनसेवा से भारत में शांति का दम  
दाया किया।

जीवन के सबक

- i) परसेवा करना दूसरों के जीवन के  
लिए अपने पूरे जीवन को समर्पण  
कर देना।

वर्तमान → कोलाहल सन्ध्या के वैसे लोगों  
का बचपन बचाओ आन्दोलन वसी का उदाहरण।

- ii) बिना शर्तकार कार्य :- मदर टेरेसा ने  
किसी जाति, मद्दत देते बिना अपने  
कार्य किए।

वर्तमान ससाधन आवंटन में समावेशी  
विकास का शायद पाठ्य लेखनी।

- iii) शांति की वरदा :- मदर टेरेसा निरंतर मानव

जाति की शांति व सहायता की बात करती थी।

वर्तमान यूक्रेन, फिलीपीन्स वॉर में वन गन्ती को बाहर किया जा सकता है।

iv) स्पैल लेविंग :- भारत रण, संत सम्झाए जैसे अवधि के बाद ही लगी है जारी रही।

वर्तमान कोटिकावादी इतिहास राज्य ससांचनी के प्रयोग से परविश्व बनाना।

v) धर्म की सच्ची शिक्षा मंदिर ने लोगों की सेवा के द्वारा धर्म का सही मतलब समझाना।

वर्तमान धर्म के नाम पर फंसी असहिष्णुता को कटौत करने में सक्षम।

कारण मंदर ऐसा भारतीय लोगों के लिए थी तापशी है जिन्होंने क्षमता पर। देश सब प्रयाग कर पछे के लोगों के जीवन में सशान्त सने का साथ किया।

## खंड B / SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. आप एक ऐसे शहर के पुलिस अधीक्षक हैं, जहां के किसी मंदिर में एक प्रमुख धार्मिक उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में दस लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के शामिल होने की संभावना है, जो मंदिर की अवसंरचनात्मक क्षमता से कहीं अधिक है। व्यापक योजना और एहतियाती उपायों के बावजूद, मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार के पास अचानक भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई, जिससे कई लोग हताहत हुए और अनेक लोग घायल हो गए। स्थिति इतनी अधिक गंभीर हो गई कि मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई है।

इस जटिलता को और गंभीर बनाते हुए, व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी खबरें तेजी से प्रसारित हो रही हैं, जिसमें भगदड़ को सांप्रदायिक झड़पों से जोड़कर दिखाया जा रहा है। ये फर्जी खबरें आम जनता में व्यापक दहशत पैदा कर रही हैं और इनसे जिले में सांप्रदायिक दंगों के भड़कने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

पुलिस अधीक्षक के रूप में, आप स्वयं को इस संकट के केंद्र में पाते हैं, जहां आपके सामने भगदड़ के तत्काल बाद की स्थिति को संभालने तथा संभावित रूप से खतरनाक गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने की दोहरी चुनौती विद्यमान है।

(a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) स्पष्ट कीजिए कि आप एक पुलिस अधीक्षक के रूप में, भगदड़ की स्थिति से निपटने और सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए क्या उपाय अपनाएंगे।

(c) चर्चा कीजिए कि इन उपायों को लागू करते समय, विशेष रूप से सार्वजनिक सुरक्षा तथा व्यक्तिगत अधिकारों एवं धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाने के लिए, आपको किन नैतिक बातों को ध्यान में रखना चाहिए। (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are the Superintendent of Police in a city hosting a major religious festival at a temple. The event is expected to attract over a million pilgrims, far exceeding the temple's infrastructure capacity. Despite extensive planning and precautionary measures, a sudden crowd surge near the main shrine entrance has resulted in a stampede, causing multiple casualties and numerous injuries. The situation has escalated, with panic spreading among the devotees present at the temple.

Adding to the complexity, instances of fake news are rapidly circulating through WhatsApp groups and social media platforms, falsely attributing the stampede to communal clashes. This misinformation is causing widespread panic among the general public and threatens to ignite communal riots in the district.

As the Superintendent of Police, you find yourself at the center of this crisis, faced with the dual challenge of managing the immediate aftermath of the stampede and countering the spread of potentially dangerous misinformation.

- (a) Identify the key stakeholders involved in this case.
- (b) Explain the measures you, as the Superintendent of Police, will take to address the stampede situation and curb the spread of fake news through social media.
- (c) Discuss the ethical considerations you must keep in mind while implementing these measures, particularly in balancing public safety with individual rights and religious sentiments. (Answer in 250 words) 20

प्रश्न को सही में समझने  
की आपदा के समय - समय चोक  
जड़ की समस्या समाज के लिए  
घाटे के रूप में दर्शाते गए हैं।

(a) प्रमुख दिग्दर्शक

(i) समाज :- प्रायः सभी में शामिल लोग  
व अन्य समाज में शामिल सभी।

ii) में स्वयं :- एक ही अधिकारी के तौर  
पर स्थिति को ठीक करने की पूरी  
जिम्मेदारी।

iii) कानून :- कानूनों का पालन न करने  
का राजीब करना, कानून भी दिग्दर्शक

iv) सांख्यिकी भी है व गलत प्रयोग करने :-

सांख्यिकी भी है व गलत प्रयोग यह  
लोगों व भी है व गलत के लिए

द्विचारक हैं।

संस्कार :- एक द्विचारक के रूप में नागरिकों की रक्षा व गलत सूचना पर रोक लगाना संस्कार की ही जिम्मेदारी।

तकनीक :- तकनीक का दुरुपयोग

(b) आगढ़: रोकने व फर्जी खबर रोकने के लिए और कार्य

i) सर्वप्रथम घटनास्थल पर एंबुलेंस व पत्रपि सुरक्षा बल के साथ पहुंचना जरूरी होगा।

ii) सहायक कार्यक्रम की शुरूआत करना व आगढ़ की पहचान करने के लिए आयोजकों व स्थानीय नेताओं की मदद लेना

iii) लोक नृज आदि की CFRT-IV, संस्कार सहायकों की मदद से जानकारी लेना व सचवार, TV व जैसे मीडिया का सहयोग कर के सही सूचना का वितरण करना।

iv) सार्वजनिक व्यवस्था को कायम रखने के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तारी व कार्रवाई करना ताकि लोगों का गुस्सा शांत हो।

v.) फर्जी खबरों व सूचनाओं पर शांतिपूर्ण दृष्टिकोण के साथ ही इंटरनेट बंदी के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों को सलाह देना,

vi) सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए क्षीण करना - फ्लैग मार्च, प्रीन गिरावटी, स्थानीय नेताओं को बंधक लेना।

vii) जनता के बीच घटना के कारणों को पूरी तरह से व्याख्या करना व भयवर्धक से बचने की सलाह देना।

(c) सार्वजनिक सुरक्षा व व्यापक भावनाओं में संतुलन में प्रमुख नैतिक धर्म।

i) पूर्वनिर्धारित से मुक्त होना व किसी भी घटना में कार्रवाई शुरू करने से पूर्व

स्वयं को सही तरह से खगिर  
मुक्त रचना करनी।

ii) सहिष्णुता प्रसार :- लोगों को आपसी  
मेलमिलाप व सहिष्णुता के नैतिक मानकों की  
सीख देना।

iii) कारवाई में समानता :- किसी भी कारवाई  
में समानता देना जरूरी ता कि जनजातों  
शांत करने के लिए किसी पर भी  
कारवाई कर देना।

iv) आंदोलन पालन :- शांतिमय स्थिति तक ऐसी  
घटना को जानबूझ करके के लिए ट्रिगगर  
कारवाई से परहेज करना जरूरी ता  
यदि उग्र ही सकता है।

v) काबू व संविधान पालन :- शांतिमय तरी  
पर सर्वव्यापी आंदोलनों का पालन हमारे  
निर्णयों को सही दिशा में निर्दिष्ट करेगा।

अतः जब विविधतापूर्ण समाज  
एकता व एकता के प्रस्तावना के आंदोलनों  
का पालन शांति व समानता को  
शुनित्व कर सकता है।

8. प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता रवि शर्मा एक प्रमुख बोतलबंद पानी की कंपनी द्वारा प्रस्तावित लाभकारी विज्ञापन अनुबंध को लेकर नैतिक दुविधा में फंस गए हैं।

हालांकि, बोतलबंद पानी की कंपनी शराब के एक प्रमुख ब्रांड की सहायक कंपनी है और पानी की बोतलों पर भी वही ब्रांडिंग की गई है जो शराब उत्पादों पर की गई है। विज्ञापन अभियान एक स्वस्थ उत्पाद को बढ़ावा देने की आड़ में शराब ब्रांड की छवि को मजबूत करने के लिए बनाया गया है।

रवि को अपनी सामाजिक रूप से जिम्मेदार छवि और स्वस्थ जीवन का समर्थन करने के लिए जाना जाता है। वह शराब के हानिकारक प्रभावों के बारे में अच्छी तरह से अवगत हैं, क्योंकि शराब से संबंधित बीमारी के कारण उनके परिवार के एक सदस्य की मृत्यु हो गई थी। हालांकि, इस विज्ञापन अनुबंध से मिलने वाला वित्तीय लाभ काफी अधिक है और यह रवि के परोपकारी कार्यकलापों, विशेषकर वंचित समुदायों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की उसकी पहलों को काफी हद तक समर्थन प्रदान कर सकता है।

यह स्थिति रवि को दुविधा में डाल देती है, जहां उसे दो विकल्पों में से किसी एक विकल्प अर्थात् वह अप्रत्यक्ष रूप से शराब के सेवन को बढ़ावा देने वाले अनुबंध को स्वीकार कर सकता है या फिर नैतिक आधार पर उसे अस्वीकार कर सकता है, जिससे उसे अपने परोपकारी कार्यों के लिए बड़ी धनराशि से हाथ धोना पड़ सकता है, का चयन करना पड़ेगा।

- (a) रवि द्वारा बोतलबंद पानी के उत्पाद का विज्ञापन करने के निर्णय में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?
- (b) सेलिब्रिटी विज्ञापनों के व्यापक निहितार्थों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य और उपभोक्ता व्यवहार पर उनके प्रभावों की चर्चा कीजिए।
- (c) रवि जैसी लोक हस्तियां विज्ञापन उद्योग में नैतिक व्यावसायिक कार्यपद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व का उपयोग कैसे कर सकती हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Ravi Sharma, a renowned movie actor, finds himself in an ethical dilemma regarding a lucrative endorsement deal offered by a prominent bottled water company.

However, the bottled water company is a subsidiary of a major alcohol brand, and the water bottles carry the same branding as the alcohol products. The advertising campaign is designed to reinforce the alcohol brand's image under the guise of promoting a healthy product.

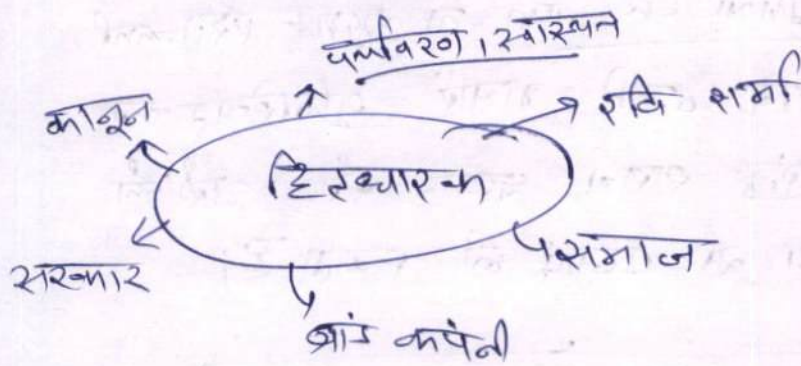
Ravi is known for his socially responsible public image and advocacy for healthy living. He is deeply aware of the harmful effects of alcohol, having lost a close family member to an alcohol-related illness. However, the financial reward from this endorsement deal is substantial and could significantly support Ravi's philanthropic activities, particularly his initiatives for providing education and healthcare to underprivileged communities.

This situation places Ravi at a crossroads, forcing him to choose between accepting a deal that could indirectly promote alcohol use and rejecting it on ethical grounds, potentially foregoing significant funding for his charitable work.

- (a) What are the ethical issues involved in Ravi's decision to endorse the bottled water product?

- (b) Discuss the broader implications of celebrity endorsements and their influence on public health and consumer behaviour.
- (c) How can public figures like Ravi use their influence to promote ethical business practices in the advertising industry? (Answer in 250 words) 20

प्रसूत किस स्त्री में हमें  
साधन बनाम साध्य का नैतिक द्वंद्व की  
साथ सामाजिक पहचान की सही पहचान  
की मुद्दे उत्पन्न हो रहे हैं।



(क) ब्रांडल बंद पानी उत्पाद का विज्ञापन करने  
में नैतिक मुद्दे

(i) लोगों के विश्वास का गलत लाभ उठाने  
का मुद्दा है रवि रसा को के लोगों  
द्वारा मिले सम्मान का दुरुपयोग  
कर सकता है।

- ii) सायन बनाम सायन की जवित्रता :- रवि गलत विज्ञापन से लोगों से कम नैतिक धारण करता है कि गांधीजी का सायन की जवित्रता का सिद्धांत इनका।
- iii) पत्रविरत की गुणवत्ता का मुद्दा :- रवि मामली से पत्रविरत नैतिकता की प्रभावित होती है।
- iv) वर्चित समूहों की लक्ष्य का मुद्दा :- रवि धारण कर के रवि उनकी गलत सुनिश्चित कर सकता है परंतु शराब ब्रह्मर से धरती की हाथपक्ष रूप से उजाड़ की सकता है।

(b) सैलब्रिटी व्यवहार विज्ञापनों की सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

- i) व्यापक प्रभाव :- सैलब्रिटी लोगों के लिए बाधक है। नकारात्मक प्रभाव  
उदा. - डॉ. राज कुमार गुटवा तन्यार व फिटनेस वाले प्रयोगों पर गलत आधार।
- ii) विज्ञापन जन्म न कराने :- शराब सैलब्रिटी द्वारा कंपनी द्वारा किए जा रहे लोगों की जन्म न करने से भी

ग़लत सूचना का प्रसार देना।

iii) डिजिटल एवं ऑनलाइन कार्य कर जनसूचना  
की दार्शनिक लक्ष्य के लिए इसे कार्य कर  
जाते हैं।

उच्चा वेस्टिंग व गीम्बलिंग का प्रचार

iv) शार्वजनिक स्वास्थ्य व परिवार की  
दक्षिण :- व कॉलड फ़्लू के प्रचार से  
दक्षिण पक्षी का मुद्दा।

v) सुशिक्षित समाज :- भारतीय समाज की  
आसान सु सुधार की उद्देश्य वस प्रचार  
के प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है।

(e) शक्ति द्वारा नैतिक व्यवसायिक कार्यप्रणालि  
बढ़ावा देने के तरीके

(i) शपथी मानक व्यवस्था करना :- विभाजन  
करने से पूर्व शपथी नैतिक मानकों पर  
आत करना।

ii) समाज के बारे में सूचना :- ऐसे लक्ष्य  
नैतिक मानकों का पालन कर के

सर्वे स्वयं से देश को हीरो बना सकते हैं।

iii) सामाजिक सुरक्षा का उद्देश्य सामाजिक प्रभाव को वास्तविक रूप से समाज सुधार के एजेंडा के रूप में कार्य करना।

उदा- पंकज त्रिपाठी द्वारा भूखाना पर विनायक प्रचार।

iv) ऑफर आगे पर कंपनी की शिनायत :- अगर किसी भी तरह के आर्थिक प्रचार के ऑफर आते हैं तो उसे तुरंत पर मीडिया से जुलासा देना व शिवायत करना।

उदा: सामाजिक व्यवहार अनुभवों का एक ठोस तरीका है। प्रभावशाली अनुभवों को सही चीजों का प्रसार कर के सेलिब्रिटी लोग देखानिगम से परिचय दे सकते हैं।

9. आप एक कृषि प्रधान जिले में जिला मजिस्ट्रेट के पद पर नियुक्त हैं। हाल ही में, इस क्षेत्र में वेमौसम वर्षा हुई है, जिससे फसलों को अत्यधिक क्षति हुई है और किसान समुदाय भी संकट के कगार पर पहुंच गया है। खाद्यान्न खरीद प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

आपको किसानों से अनाज खरीदने वाले गोदामों में व्यापक कदाचार की रिपोर्टें मिली है। इन भ्रष्ट गतिविधियों में खरीद प्रक्रिया में जानबूझकर विलंब करना, तौल के पैमानों में हेरफेर करना, मनमाने तरीके से गुणवत्ता को अस्वीकार करना और हताश किसानों से रिश्वत की मांग करना शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप, किसानों को अत्यधिक वित्तीय हानि हुई है, कई किसान तो अपना लागत मूल्य भी वसूल नहीं कर पा रहे हैं।

कई किसान अपनी उपज बेचने में असमर्थ हैं जबकि अन्य न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से बहुत कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए विवश हैं। इससे कृषक समुदाय के लिए वित्तीय संकट उत्पन्न हो गया है।

आपको इस जटिलता को और अधिक गंभीर बनाने वाली एक रिपोर्टें मिलती हैं जिससे पता चलता है कि कुछ स्थानीय राजनेता और प्रभावशाली व्यवसायी इन भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल हैं और किसानों की दुर्दशा से लाभ उठा रहे हैं। यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो संभावित किसान विरोध प्रदर्शनों एवं आंदोलनों के शुरू होने की भी अफवाहें हैं।

जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपके सामने तात्कालिक संकट और इस स्थिति को जन्म देने वाले प्रणालीगत मुद्दों जिनके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है, दोनों से निपटने की चुनौती है।

- (a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों और उनके संबंधित हितों की पहचान कीजिए।
- (b) प्रभावित कृषक समुदाय को राहत प्रदान करने के लिए आपके द्वारा अपनाए जाने वाले तात्कालिक उपायों पर चर्चा कीजिए।
- (c) आपके द्वारा चुने गए उपाय को क्रियान्वित करते समय आपके समक्ष आने वाली नैतिक दुविधाओं पर चर्चा कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि आप उनसे कैसे निपटेंगे। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the District Magistrate in a predominantly agricultural district. Recently, the region has been hit by unseasonal rainfall, causing severe crop damage and pushing the farming community to the brink of crisis. The situation is further exacerbated by widespread corruption in the food grain procurement system.

You have received reports about rampant malpractices in the warehouses responsible for procuring food grains from farmers. These corrupt practices include deliberate delays in the procurement process, manipulation of weighing scales, arbitrary quality rejections, and demands for bribes from desperate farmers. As a result, farmers are facing significant financial losses, with many unable to recover even their input costs.

Many farmers are unable to sell their produce, while others are forced to sell at prices far below the Minimum Support Price (MSP). This has led to financial distress for the farming community.

Adding to the complexity, you have received reports suggesting that some local politicians and influential businessmen are involved in these corrupt practices, benefiting from the farmers' misery. There are also rumors of potential farmer protests and agitations if immediate action is not taken.

As the District Magistrate, you are faced with the challenge of addressing both the immediate crisis and the systemic issues that have led to this situation.

- (a) Identify the key stakeholders involved in this case and their respective interests.
- (b) Discuss the immediate measures you will take to provide relief to the affected farming community.
- (c) Discuss the ethical dilemmas you might face while implementing your chosen course of action and how you would navigate them. (Answer in 250 words) 20

प्रस्तावत जैसे स्थिति में  
शापदा के बीच किसान की मनबूरी  
का अनुचित लाभा लेने व इसके  
विरुद्ध शक्तिशाली के हठ के मुद्दों  
की शामिल किया गया है।

(a) प्रमुख हितधारक

i) किसान वर्ग :- देश का शक्तिशाली  
सबसे शुभेच्छु वर्ग, अतः किसान के  
आर्थिक सुखसाधन की पूर्ति करना जरूरी,  
शापदा पर राष्ट्रीय शक्तिशाली के  
लिए भी ध्यान देना।

ii) मै. डी.एम. के रूप :- नैतिक हित  
→ कानून व्यवस्था का पालन करवाना  
→ शक्तिशाली शक्तिशाली पर न्याय  
रहित लगाना।

→ किसानों के हितों की इन तक पहुंच  
सुनिश्चित करवाना।

(iii) प्रभावशाली लोग :- राजनेता जैसे लोग  
मंत्री में अनुचित लाभ लेने की आकांक्षा  
→ दूसरों के हितों की कबजनी की गलत  
नैतिक प्रवृत्ति।

iv) राज्य :- किसान की साथ किसी भी  
तरह का गुस्सा पूरी अव्यवस्था के  
लिए गुस्सा।

→ यह आगली कसब चक्र की धराब कर  
सकत हैं।

v.) मंत्री के लोग :- गलत वजन कम भाव  
द्वारा लाभ लेने की चोरी  
→ भ्रष्ट गतिविधियों के कारण कृषक की  
में नकारात्मक प्रभाव का संचार करना।

(B) वर्तित कारवाय - किसान लाभ के लिए

i) पहले कदम के तौर पर घटनास्थल  
पर जाकर ही एही अनुचित कारवायों

- की जांच करना रहेगा।
- उसके बाद दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई करना व उनके दुरे हिसाब की जांच ताकि पता चल सके कि किसान को कितना शारीरिक नुकसान उठाना पड़ा है।
- राजनीतिक दबाव लोगों पर कार्रवाई करने के लिए NDRI अधिनियम, 2017 से प्रेरणा लेना → एक सिविल सेवा क्लिप की जैसा कि मौखिक ऑर्डर पालन के बावजूद नहीं केवल लिखित ऑर्डर पर ही कार्य कर सकता है।
- किसानों की राहत के लिए फसल में हुए नुकसान की जांच व मुआवजा दिलाने के लिए गिरदावरी की व्यवस्था स्थानीय पटवारी से संपर्क करना।
- हमारा जांच के बाद किसानों को NDRI दिलवाने के लिए बार-बार मंजूरी स्थल की रिपोर्टिंग करना।

(C) उपान के क्रियान्वयन में आने वाली  
नैतिक दुविधाएं व समाधान

(i) मंत्री कमी व किसान हित दोनों में फैसला  
करना → इसी स्थिति में निम्न अनुसार  
मंत्री के कर्मियों को लालच की दिवालकर  
किसान को पूरा हक दिलवने की  
आशिश देगी।

ii) अनपढ़ किसान होने के कारण शक्तिहीन  
दुविधा → अनपढ़ता के कारण शक्तिहीन  
इसी स्थिति में सकारी हक भर: किसानों  
को जागरूक करना

iii) फसल का मुआवजा दिलाते हैं दुविधा →  
एक हॉर  
किसान को हित दूसरी हॉर वसूली  
सरकार पर दबाव पड़ेगा। परंतु किसान हित  
सर्वोपरि जाएगी।

इस में अपनी आवश्यकता द्वारा  
किसानों को जागरूकता प्रसार, AP0 द्वारा  
अपने हितों की जांच उठाना, डिजीटल  
मंत्री जैसे उपानों से सवाचार करने  
की आशिश करेगा।

10.

हाल ही में एज़्टैक के इंडिया डिवीजन के प्रमुख के रूप में नियुक्त श्री वी, कंपनी के शिशु आहार उत्पादों के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण नैतिक दुविधा का सामना कर रहे हैं। हाल ही में, यह बात लोगों के ध्यान में आई है कि भारत में एज़्टैक के शिशु उत्पादों में एक बार के आहार के रूप में दी जाने वाली मात्रा में लगभग 3 ग्राम शर्करा की मात्रा होती है, जबकि जर्मनी और ब्रिटेन जैसे अमीर देशों में इसी तरह के उत्पादों में कोई अतिरिक्त शर्करा की मात्रा नहीं होती है। एज़्टैक ने इस प्रथा का बचाव करते हुए कहा है कि चीनी की मात्रा स्थानीय नियमों के अनुरूप है। हालांकि, इन उत्पादों पर पोषण संबंधी जानकारी में अतिरिक्त शर्करा के बारे में विवरण का उल्लेख नहीं है।

इस खुलासे ने नागरिक समाज, गैर सरकारी संगठनों (NGOs) और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया है, जिनका तर्क है कि शिशु उत्पादों में शर्करा की अतिरिक्त मात्रा खतरनाक और अनावश्यक है। आलोचना के बढ़ने से एज़्टैक की प्रतिष्ठा और बाजार में इसकी स्थिति खतरे में पड़ गई है।

श्री वी को एक गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ता है। इन शिशु उत्पादों को बाज़ार से हटाने से कंपनी को काफी वित्तीय क्षति हो सकती है, जिससे संभावित रूप से कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है और यहां तक कि कंपनी के बंद होने की संभावना भी हो सकती है, क्योंकि कंपनी की वित्तीय स्थिति पहले से ही खराब है। वरिष्ठ प्रबंधन उन पर दबाव बना रहा है कि वे इस मुद्दे का समाधान कंपनी के लाभ को प्रभावित करने वाले किसी बड़े परिवर्तन के बिना करें।

- (a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- (b) उपर्युक्त स्थिति में श्री वी के लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।
- (c) श्री वी के लिए उपर्युक्त में से कौन-सा विकल्प सर्वाधिक उपयुक्त होगा और क्यों? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Mr. V, recently appointed as the head of Aztack's India division, faces a significant ethical dilemma regarding the company's baby food products. Recently, it has come to public attention that Aztack's baby products in India contain nearly 3 grams of sugar per serving, while similar products in wealthier nations like Germany and the UK have no added sugar. Aztack defends this practice, stating that the sugar levels comply with local regulations. However, the nutritional information on these products omits details about added sugars.

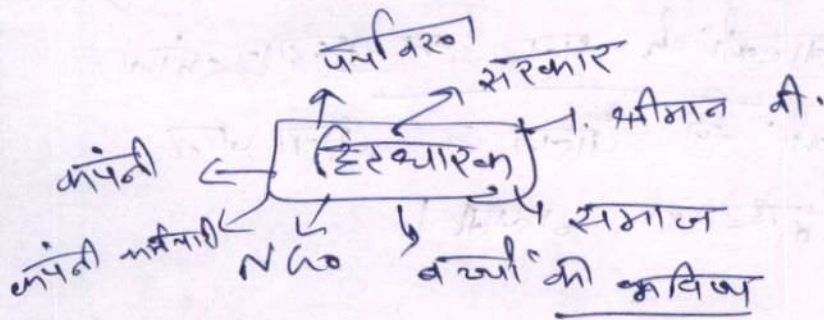
This revelation has sparked backlash from civil society, NGOs, and health experts, who argue that added sugar in baby products is dangerous and unnecessary. The criticism is growing, putting Aztack's reputation and market position at risk.

Mr. V faces a serious challenge. Removing these baby products from the market could result in significant financial losses for the company, potentially leading to employee layoffs and even the possibility of the company shutting down, given its already precarious financial state. The senior management is pressuring him to resolve the issue without making drastic changes that could affect the company's profit.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.
- (b) Evaluate the options available to Mr. V in the above situation.
- (c) Which of the above would be the most appropriate option for Mr. V and why? (Answer in 250 words)

20

प्रमुख जैसे स्टडी में एक कंपनी  
जोपरिवार के सामने कंपनी का लाभ व  
समाज का हित सुनिश्चित करने की  
बीच हितकराव की स्थिति का वर्णन किया  
गना है।



### नैतिक मुद्दे

- i) कंपनी के लाभ का मुद्दा कंपनी पहले  
ही धार है, अगर किसी की तरह की  
कंपनी विरुद्ध कार्रवाई, कंपनी के लिए  
हानिकारक होगी।
- ii) बच्ची के स्वास्थ्य का मुद्दा (रिसे)  
शरीर वाज दूध पीने से उनके स्वास्थ्य  
पर गलत प्रभाव पड़ सकता है।
- iii) N/A की हवा का मुद्दा = N/A द्वारा  
निरंतर कार्रवाई करने के लिए बांधाल

जागरिक समाज की पैतन संशुद्धि  
रहा है।

iv) कंपनी के कर्मचारी :- कर्मचारियों की  
नौकरी जान का मुद्दा की उनके अधिकारों  
पर भी ध्यानकारक प्रभाव डालेगा।

v) राष्ट्रीय मानकों के पालन का मुद्दा - कंपनी  
द्वारा मानकों का पालन न किया जान  
कारण की दृष्टि से गलत है।

ब) सी. वी. के सामने उपलब्ध विकल्प

i) NGO के रिस्क टैकर शोषण

मुग	दाँव
कंपनी का बचाव हो सकेगा	बच्चों का स्वास्थ्य
कंपनी कर्मचारी व सी. वी. की	व राष्ट्रीय की अधिकार
नौकरी बचेंगी	दाँव पर लागू पारगा

(ii) उत्पाद  
बिक्री वापिस लेना

मुग	दाँव
i) बच्चों को स्वास्थ्य प्रभाव	i) कंपनी बंद हो जाएगी
ii) स्वास्थ्य प्रभाव बिना	ii) कंपनी को सभी दिव्यारकों पर प्रभाव डालेगा

iii) भविष्य में सुधार का वादा

गुण

दोष

i) कंपनी व भविष्य दोनों के लिए ठीक होगा।

i) N/A की शोते करना मुश्किल

ii) लोगों का विश्वास बर्तगा

ii) क उत्पाद राजसीका देखाव बड़ सकता है।

Q

उपभूक्त विकल्प

i) गैर हिसाब सी. वी. द्वारा उपभूक्त सामग्री खाना चाहिए व उत्पाद के बारे में समग्र जानकारी देनी चाहिए।

→ कंपनी के मानकों को पूरते करना का वादा करना चाहिए व तरीके में इरे गलती की लिए प्रमा भी मांगनी चाहिए।

→ कि तरह सी. वी. मुदाबर्ज की वामा कर सकते हैं कि किसी की संके पर नकारात्मक असर हुआ है। मुदाबर्ज दिया जा सकता है।

→ अगर उत्पाद की गहन जांच के बाद यह निष्कर्ष निकलता है कि इस उत्पाद की संरचना जाना है तो भी जी. वी. की शर्तों को बिलकुल नहीं करना चाहिए व कंपनी उत्पाद निर्माण जारी रखना चाहिए।

→ अगर NCO का उत्पाद की खतरनाक होने का तर्क सही साबित होता है तो सुरक्षा प्रभाव से उत्पाद को वापिस लेना चाहिए। इसी सिद्धांत को उपनीतिवादी सिद्धांत माना जा सकता है।  
कंपनी के बाजार के लिए बच्चों के स्वास्थ्य से बिलकुल नहीं किया जा सकता।

अगर बच्चे को अव्यक्त शक्ति के साथ इस कारखाने की शर्तों को बिलकुल नहीं करना चाहिए।

11. सागर मेहता एक 42 वर्षीय पेशेवर है और उसका कॉर्पोरेट जगत में एक बेदाग रिकॉर्ड है। उसने हाल ही में इंफ्राटेक सॉल्यूशंस नामक कंपनी के CEO का पद धारण किया है। इंफ्राटेक सॉल्यूशंस भारत की सबसे बड़ी अवसंरचना क्षेत्र की कंपनियों में से एक है। इंफ्राटेक को सड़कों और पुलों के डिजाइन एवं निर्माण में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है तथा इसने विगत तीन दशकों में एक मजबूत प्रतिष्ठा हासिल की है। यह कंपनी मुख्य रूप से राज्य लोक निर्माण विभागों की परियोजनाओं पर कार्य करती है और कभी-कभी राष्ट्रीय एजेंसियों से अनुबंध भी प्राप्त करती है।

सागर ने यह पद 15 वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण के परिणामस्वरूप प्राप्त किया था। उसने केवल अपनी प्रतिभा और ईमानदारी के बल पर कॉर्पोरेट जगत में तरक्की की है तथा उसने सदैव नैतिक व्यावसायिक पद्धतियों का पालन किया है। इंफ्राटेक के CEO के रूप में उसकी नियुक्ति को अक्सर विवादों से घिरे रहने वाले उद्योग में ताजी हवा के झोंके के रूप में देखा गया।

अपनी नई भूमिका में आठ महीने के बाद, सागर कंपनी को जिस दिशा में ले जा रहा था, उसे लेकर आत्मविश्वास महसूस कर रहा था। उसने नई प्रौद्योगिकियों को लागू किया, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया और अपनी परियोजनाओं में अधिक संधारणीय पद्धतियों के प्रयोग को बढ़ावा दिया।

एक शाम, कुछ वित्तीय दस्तावेजों की समीक्षा करने के दौरान, सागर ने एक पैटर्न देखा कि बड़े अनुबंधों की घोषणाओं से ठीक पूर्व विभिन्न अज्ञात संस्थाओं को बड़ी धनराशि भेजी जा रही थी। उत्सुक और थोड़ा चिंतित होकर, उसने इसकी गहराई से जांच करने का निर्णय किया। उसने पाया कि इंफ्राटेक उन राज्यों में सत्तारूढ़ राजनितिक दलों के सदस्यों के चुनाव अभियानों के लिए पर्याप्त राजनीतिक दान कर रहा था, जहां वे अनुबंधों को प्राप्त करने हेतु बोली लगा रहे थे। ये दान बड़ी सावधानी से समयबद्ध और रणनीतिक रूप से वितरित किए गए थे ताकि कंपनी द्वारा लाभकारी सरकारी परियोजनाओं के अनुबंध प्राप्त करने की संभावना अधिकतम हो सके।

सागर हमेशा साफ-सुथरा कार्य करने के लिए स्वयं पर गर्व महसूस करता था। इस मुद्दे को हल करने हेतु दृढ़ संकल्पित सागर ने इस मामले को बोर्ड की अगली बैठक में उठाया। उसे यह देखकर आश्चर्य और निराशा हुई कि निदेशक मंडल ने न केवल इस प्रथा को स्वीकार किया, बल्कि इसका दृढ़तापूर्वक बचाव भी किया। संदेश स्पष्ट था - बोर्ड को उम्मीद थी कि सागर इस प्रथा को जारी रखेगा तथा कोई भी विचलन न केवल कंपनी की स्थिरता को बल्कि CEO के रूप में उनकी स्थिति को भी खतरे में डाल सकता है।

जैसे ही सागर बैठक से बाहर निकला, उसने महसूस किया कि इस नैतिक दुविधा का बोझ उस पर बढ़ रहा है। एक तरफ, वह कंपनी की सफलता और इंफ्राटेक पर निर्भर हजारों कर्मचारियों की आजीविका के लिए उत्तरदायी था। दूसरी तरफ, अब वह एक ऐसे कृत्य में संलिप्त था जिसे वह नैतिक रूप से संदिग्ध और संभावित रूप से अवैध मानता था।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) सागर के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) उसे क्या कारवाई करनी चाहिए? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (250 शब्दों में उत्तर लिखिए)

Sagar Mehta, a 42-year-old professional with an impeccable track record in the corporate world, had recently accepted the position of CEO at Infratech Solutions, one of India's largest infrastructure companies. Known for its expertise in designing and constructing roads and bridges, Infratech had built a strong

reputation over the past three decades, primarily working on projects for state public works departments and occasionally securing contracts with national agencies.

For Sagar, this role was the culmination of 15 years of hard work and dedication. He had climbed the corporate ladder through sheer talent and integrity, always adhering to ethical business practices. His appointment as CEO of Infratech was seen as a breath of fresh air in an industry often marred by controversies.

Eight months into his new role, Sagar was feeling confident about the direction in which he was steering the company. He had implemented new technologies, streamlined processes, and was pushing for more sustainable practices in their projects.

One evening, while reviewing some financial documents, Sagar noticed a pattern of large outflows to various obscure entities just before major contract announcements. Intrigued and slightly concerned, he decided to dig deeper. He found out that Infratech had been making substantial political donations to the election campaigns of ruling party members in states where they were bidding for contracts. These donations were carefully timed and strategically distributed to maximize the company's chances of securing lucrative government projects.

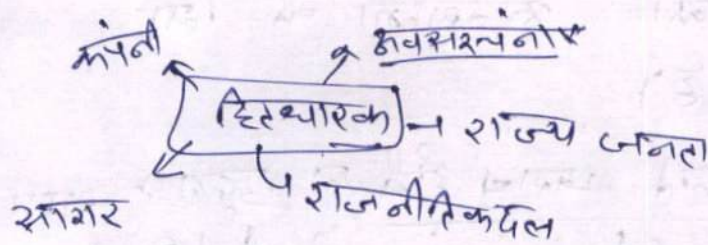
Sagar had always prided himself on running clean operations. Determined to address this issue, Sagar raised the matter at the next Board meeting. To his shock and dismay, the Board of Directors not only acknowledged the practice but also strongly defended it. The message was clear – the Board expected Sagar to continue this practice, and any deviation could jeopardize not just the company's stability but also his position as CEO.

As Sagar left the meeting, he felt the weight of this ethical dilemma bearing down on him. On the one hand, he was responsible for the company's success and the livelihoods of thousands of employees who depended on Infratech. On the other hand, he was now complicit in a practice that he found ethically questionable and potentially illegal.

- (a) State the ethical issues involved in this case.
- (b) Evaluate the options available to Sagar.
- (c) What should be his course of action? Give reasons to support your answer. (Answer in 250 words)

20

प्रस्ताव जैसे 'शहरी ई' 'आर्पोरैट एविकस' या 'आर्पोरल पर' 'अनरोत्ता' के 'अंगर' को 'गुप्त' (निहित है)।



### अ) नीतिक गुप्त

i) 'कॉर्पोरेट सिस्टम' का 'गुप्त' = 'वसर्'।  
'कॉर्पोरेट' 'इंजीनर' के 'बढ़ने' का 'गुप्त' 'अनिहित' है।

ii) 'अव्यारक' की 'अव्यारक' = 'अनुचित' रूप से 'लाभ' लेना। 'अव्यारक' 'द्वारा' 'कंपनी' 'निर्माण' 'ई' 'जैसा' 'इंजीनर' के 'लिए' 'अव्यारक' की 'अव्यारक' कर सकती है।

iii) 'अव्यारक' का 'गुप्त' = 'इसी' 'द्वारा' 'राजनीतिक' व 'अव्यारक' 'जुड़े' 'सभी' 'क्षेत्रों' में 'अव्यारक'। 'अव्यारक' 'द्वारा' 'अनुचित' 'नीतिक' को 'बढ़ाना' 'देती' है।

iv) सावधान बनाम साव्यता मुद्रा - सागर  
अच्छे लाभ पा सकता है परंतु तरीका  
गलत है। पानी साव्यता की रूपरेखा  
है। उसकी अंतरात्मा के लिए  
दायित्वपूर्ण है।

v) कार्य संस्कृति खराब होने का मुद्रा - सागर  
द्वारा शुरू निर्देशक मंडल की ऐसी मिलीभगत  
मिलना विकास में कमी करेगा व नवविषय  
में हितकरक संभव।

(B) सागर के विकास

(i) कंपनी त्याग व विकल्पित करना

<u>गुण</u>	<u>दोष</u>
1. अंतरात्मा के लाभ	1. नौकरी खत्म होने का
2. अत्याचार पर कार्रवाई	2. इस व कंपनी के
	नवविषय पर संकेत।

(ii) नए स्थिति चलाने देना

<u>गुण</u>	<u>दोष</u>
1. कंपनी व सागर दोनों का लाभ	1. समाज व देश के लिए दायित्वपूर्ण
	2. राजनीति में गलत प्रथा द्वारा

(iii) कंपनी त्याग

गुण - सागर की अंतरात्मा संतुष्टि

(1) कंपनी कृष्णानार चलता रहेगा।

(11) कंपनी द्वारा कंपनी की समझना व अपनी पहचान के बल पर टैक्स हिलवाने का कार्य करना।

शुभ  
कंपनी व सागरवर्मा  
में विश्वास निगम  
अनैतिक प्रथा पर रकित

(12) कंपनी द्वारा सागर  
मिलना कुरिन्गल

(13) सागर की कारवारी

4 सर्वप्रथम तौर पर पत्रिका विकल्प शुरू रहेगा कि कंपनी में व्यापक तौर पर वार्ता करें व बिना अनुचित तरीकों का प्रयोग किए कंपनी को हानि बढ़ाने की बात रहे।

1. इसे हस्ताव की इकरा देने की स्थिति में सागर की कंपनी संतरोत्ता संकेत से निजाम जाने के लिए कंपनी को धाँसे को चाहिए। क्योंकि वह परिचित

यह शायद "कॉफी" की जाय कर संभव है।

→ जनैतिक गतिविधि शक्ति में जनैतिक  
गति में शायद की जाय नुस्खान हीगा व  
जाय की खराब हीगी।

→ बसन्तिया कंपनी की जायने व साथ ही  
शिक्षावत् की जायने जायने जिससे सब  
पथा पर सब लगगी व शायद की  
इमानदार जायने की बढ़ावा मिलगी।

कहा कंपनी व राजनीतिक  
जायने जायने जायने जायने जायने  
जायने की समाजता व शायद जायने  
जायने जायने है। इससे जायने  
जायने है राजनीतिक जायने व  
जायने जायने की जायने  
जायने जायने है।

12. आप राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) में एक वरिष्ठ अधिकारी हैं और आपकी प्राथमिक भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि देश भर में प्रवेश परीक्षा के प्रोटोकॉल का एक समान रूप से अनुपालन किया जाए। आप शिक्षा प्रशासन में अपने विगत दो दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, हमेशा परीक्षा प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर गर्व करते हैं।

पिछले माह, NTA ने देश भर में मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (NEET) का आयोजन किया। इस अत्यंत प्रतिस्पर्धी परीक्षा में 20 लाख से अधिक अभ्यर्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से प्रत्येक प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में सीट प्राप्त करने की अपेक्षा कर रहा था।

हालांकि, परीक्षा के कुछ दिनों के भीतर, आपके कार्यालय में विभिन्न स्रोतों से चौंकाने वाली रिपोर्टें आने लगीं। कई राज्यों में स्थानीय समाचार पत्रों द्वारा कथित पेपर लीक के समाचार प्रकाशित किए जाने लगे। आपके फोन पर चिंतित अभिभावकों और छात्रों के कॉल आने लगे। वे आपको परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताओं की रिपोर्ट कर रहे थे। इसमें अभ्यर्थियों द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग करने, कुछ अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय देने और यहां तक कि प्रॉक्सी अभ्यर्थियों को परीक्षा देते हुए देखे जाने के दावे शामिल थे।

जैसे-जैसे ये रिपोर्टें आपके सामने आती हैं वैसे-वैसे स्थिति तेजी से बिगड़ती जाती है। राष्ट्रीय मीडिया ने इस समाचार को प्रमुखता से उठाया और जल्द ही यह प्रत्येक समाचार चैनल की सुर्खियों में आ गया। सोशल मीडिया पर "जस्टिस फॉर स्टूडेंट" हैशटैग के साथ व्यापक चर्चा होने लगी। अभिभावक संगठन आपके कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तथा पुनर्परीक्षा के साथ दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग कर रहे थे।

इस अव्यवस्था के बीच, आपको शिक्षा मंत्री का फोन आता है, जो स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं और त्वरित कार्रवाई की मांग करते हैं। आप पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बहुत अधिक है, लेकिन आप यह जानते हैं कि बिना गहन जांच के जल्दवाजी में लिए गए किसी भी निर्णय के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

इस पेशेवर चुनौती के मध्य आपको एक व्यक्तिगत दुविधा का सामना करना पड़ता है जिससे यह मामला और अधिक जटिल बन जाता है। आपकी बेटी ने भी इस वर्ष NEET परीक्षा दी थी। वह दो वर्ष से तैयारी कर रही थी और प्रायः देर रात तक अध्ययन करती थी।

प्रारंभ में, आपकी बेटी अपनी परीक्षा के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित थी। किंतु अनियमितताओं के समाचारों के बाद से, आपने उसके व्यवहार में परिवर्तन देखा है। वह असामान्य रूप से चुप रहती है तथा रात के भोजन के दौरान नजरें चुराती है एवं अपने कमरे में ही अधिक समय व्यतीत करती है।

एक शाम, असहनीय तनाव के कारण आप अपनी बेटी से बातचीत करते हैं। बहुत समझाने के बाद, वह टूट जाती है और रोते हुए स्वीकार करती है कि उसने कुछ राशि के बदले एक निजी सोशल मीडिया चैनल के माध्यम से लीक हुए कुछ प्रश्न प्राप्त किए थे। वह दावा करती है कि उसे यकीन नहीं था कि वे प्रश्न वास्तविक थे, किंतु फिर भी उसने उनकी तैयारी की। अब वह आपसे कोई कार्रवाई न करने की विनती करती है।

इस स्थिति में आप अपने पेशेवर कर्तव्य और अपनी बेटी के प्रति अपने प्रेम के बीच दुविधा में उलझ जाते हैं, तो आपको आपके निर्णय के बोझ का एहसास होता है। ऐसे में संपूर्ण परीक्षा प्रणाली की सत्यनिष्ठा के साथ लाखों छात्रों का भविष्य भी दांव पर लगा है, जिसमें आपकी बेटी भी शामिल है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) परीक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति के रूप में, आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? आप क्या कार्रवाई करेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a senior official in the National Testing Agency (NTA) and your primary role is to see if the entrance exam protocols are followed uniformly across the country. With over two decades of experience in education administration, you have always prided yourself on your commitment to fairness and transparency in the examination process.

Last month, the NTA conducted the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) for medical admissions across the country. Over 2 million aspirants appeared for this highly competitive exam, each hoping to secure a seat in prestigious medical colleges.

However, within days of the exam, your office is inundated with alarming reports from various sources. Local newspapers carry stories of alleged paper leaks in several states. Your phone rings constantly with calls from concerned parents and students reporting irregularities at exam centers - claims of candidates using mobile phones, some being granted extra time, and even sightings of proxy candidates taking the test.

As you grapple with these reports, the situation escalates rapidly. National media picks up the story, and soon it's the headline on every news channel. Social media is abuzz with hashtags demanding justice for the students. Parents' associations are organizing protests outside your office, calling for a re-examination and severe punishment for the culprits.

Amidst this chaos, you receive a call from the Education Minister, who expresses grave concern over the situation and demands immediate action. The pressure to act swiftly is immense, but you know that a hasty decision without thorough investigation could have far-reaching consequences.

As if the professional challenge was not daunting enough, you face a personal dilemma that threatens to complicate matters further. Your daughter also took the NEET exam this year. She had been preparing for two years, often studying late into the night.

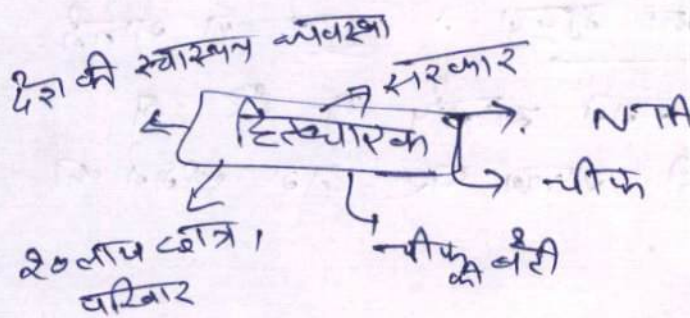
Initially, your daughter had been ecstatic about her performance in the exam. However, since the news of irregularities broke, you have noticed a change in her behavior. She has been unusually quiet, avoiding eye contact during dinner, and spending more time alone in her room.

One evening, unable to bear the tension, you confront your daughter. After much prodding, she breaks down and confesses. Tearfully, she admits to having accessed some leaked questions through a private social media channel, in exchange for money. She claims she was not sure if they were genuine, but prepared them anyway. She is now pleading with you to not take any action.

As you stand there, torn between your professional duty and your love for your daughter, you realize the weight of the decision before you. The integrity of the entire examination system hangs in the balance, as does the future of millions of students - including your own child.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.
- (b) As a person responsible for ensuring exam protocols, what are the options available to you? What course of action will you follow and why? (Answer in 250 words) 20

प्रश्नगत जैसे स्थिति में एक गरीब  
बोली में अंतराचार के मुद्दे के साथ  
अविनाशी के निजी व सार्वजनिक हितों  
में संतुलन की स्थिति को प्रस्तुत किया  
गया है।



(A) नैतिक मुद्दे

i) परीक्षा में शामिलों का मुद्दा - परीक्षा  
में ऐसी शामिलों के साथ-साथ  
अविनाशी के निजी व सार्वजनिक हितों के लिए  
दिलचस्प।

ii) सरकार के दबाव का मुद्दा - राजनीतिक

राजनीतिक दबाव के साथ-साथ कार्य  
स्थल पर स्थिति की संभालने का मुद्दा

iii) छात्रों के कविज्य का मुद्दा :- सही तरीके  
से परीक्षा देने वाले छात्रों की स्थल व  
मैदान बर्बाद होने का मुद्दा।

iv) अच्छे छात्रों की दुर्दशा का मुद्दा :- सही  
छात्रों से अनुचित छात्रों की दुर्दशा की  
की पुविचा।

v) स्वतंत्र की बेटी जानी परिवार बनाम  
कार्यस्थल का मुद्दा :- मुर्द की भावना  
जानकर व्यक्तिगत कार्यालय का दर व  
सारे जीवन की साथ पर दाग लगने का  
मुद्दा।

(B) उपलब्ध विकल्प

(i) परीक्षा जाने के लिए कर्मचारी गठब

गुण

i) छात्रों की गुस्ता शारे

ii) कारवारी पर सन्धि का  
समय प्रवर्गा

शक्ति

→ कल्पे जानरे इर  
कारवारी की कर  
करना नोकरा के  
बि साक

ii) परिसर कंसिल व दक्षिणी परकारवारी

(उत्तर)

परिपरीक्षा की शाख बनेगी;

लोगों की भावनाएं शांत होंगी।

(दाख)

4. 'मैट्रिक' छात्रों का

गुणसंग

4. 'डापरा' की वक्त  
मुश्किल

(ii) परीक्षा गड़बड़ी स्वीकारना, बंदी की पेश करना

इसी स्थिति में क्वच जगह पर गड़बड़ी की  
मानकर मैट्रिक छात्रों को बचाया जा सकता है।→ बंदी पर कार्रवाई निजी जीवन के लिए  
घातक हो सकती है।

कार्रवाई का तरीका

→ सर्वप्रथम ही गरीबों के द्वारा  
सामग्री काफिर अपना एक स्थान  
चाहिए।→ 'डापरा' होर पर नैक कार्रवाई चाहिए  
कि गड़बड़ी का शांत किरके लोगों ने  
लिया।→ इसी स्थिति में परीक्षा केंद्रों में न कर  
के जॉय कार्रवाई व कार्रवाई का ठाठ  
करके 'कुशा' पर विचार करना।

- यौक्ती पर कारगर चरन व बरी  
की की सामने जाना ताकि स्वदि  
में राष्ट्रहित की चर न पड़ें।
- पें कसला वहुत मुखिल ही सक्त  
हूँ परंतु गलती स्वीकारना व नविष्य  
में सि न करनी के रूप में सबक का  
जाग करेगा।
- पीक बरी की गलती नजरपास करेगा  
तां नविष्य में बर गलत परिणाम सामने  
आ सकत हें।
- किसी की तरह पेंपर कंसिल बनना  
ताकि भैतरी छात्री के साथ किसी की  
मरद की पुचरिन न ही।

भरः कर्मठी जाँच दर कारवारि  
कार के परीक्षा की सूचित सुनिश्चित  
की जा सकती हें। सि पदी पर कार्य  
करते इर स्वदि की सामने ही हमें  
राष्ट्रहित में सेवा करने के लिए  
हीरि कर सकता हें।